कोटद्वार, रविवार
2 फरवरी 2025
वर्ष: 46
अंक: 262 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

# जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

## एक नजर

### जल्द शुरू होगा श्रीनगर-कोटद्वार एनएच पर सरफेस वर्क

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय राजमार्ग लोक निर्माण विभाग जल्द ही श्रीनगर-कोटद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर सरफेस वर्क शुरू करेगा। 12.84 करोड़ रुपये की लागत से सड़क सतह सुधार कार्य किया जाएगा। योजना के तहत क्षतिग्रस्त नालियों की मरम्मत, ड्रेनेज सिस्टम का सुधार और सड़क सतह का पुनर्निर्माण भी किया जाएगा। विभाग द्वारा इसके लिए टेंडर प्रक्रिया गतिमान है। टेंडर पूरा होते ही कार्य को तीव्र गति से शुरू किया जाएगा। एनएच लोनिवि के सहायक अभियंता अतुल शांडिल्य ने बताया कि श्रीनगर से सतपुली तक जिन स्थानों पर सड़क की सतह खराब हो चुकी है, उन्हें सुधारने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया था। इस परियोजना को 12.84 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है। 25 फरवरी को टेंडर पूरा होने के बाद मार्च के पहले सप्ताह से कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। कहा कि इसके अंतर्गत श्रीनगर से सतपुली तक 40 किलोमीटर के दायरे में पेचवर्क, नालियों का निर्माण और स्ट्रेच सुधार का कार्य किया जाएगा। इसके अलावा, सड़क का एक वर्ष तक मेंटेनेंस भी किया जाएगा ताकि इसकी गुणवत्ता बनी रहे। (एजेंसी)

### खाई में गिरा डंपर, चालक घायल

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर तहसील के अंतर्गत मुछियाली से श्रीनगर की तरफ आ रहा डंपर अनियंत्रित होकर मरगुण के पास सड़क से 100 मीटर नीचे जा गिरा। जिसमें चालक को गंभीर चोटें आयी हैं। कोतवाली श्रीनगर उपनिरीक्षक मुकेश भट्ट ने बताया कि शनिवार करीब 1:20 मिनट पर पौड़ी कंट्रोल रुम से सूचना प्राप्त हुई कि मुछियाली से श्रीनगर की तरफ आ रहा डंपर मरगुण के पास अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे 100 मीटर नीचे जा गिरा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल चालक को बेस अस्पताल पहुंचाया जहां डाक्टरों की देख-रेख में उपचार चल रहा है। बताया कि डंपर चालक के सर पर गंभीर चोट हैं। (एजेंसी)

### राफ्टिंग के डेमो को लेकर बूम स्नान घाट तैयार

चम्पावत। टनकपुर में राफ्टिंग के डेमो को लेकर बूम स्नान घाट तैयार है। यहां बिजली, पानी, सड़क आदि का निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। आठ से दस फरवरी तक चरण मंदिर से बूम तक राफ्टिंग का डेमो होना है। राष्ट्रीय खेल के तहत टनकपुर के काली नदी में राफ्टिंग का डेमो प्रस्तावित है। डेमो पूर्णागिरि के चरण मंदिर से बूम राफ्टिंग कैंप तक कुल 13 किमी का होगा। तीन दिन तक चलने वाली डेमो प्रतियोगिता में देश भर के तमाम खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रशासन प्रतियोगिता तैयारियों में युद्ध स्तर पर जुटा हुआ है। रायवाला, देहरादून से पहुंची आर्मी की टीम लगातार काली नदी में अभ्यास कर रही है।

खिलाड़ियों के रुकने, स्वास्थ आदि की व्यवस्था की जा रही है। स्टेडियम प्रभारी मुकेश शर्मा और फुटबॉल कोच गौरव खोलिया ने बताया कि बूम स्नान घाट लगभग बनकर तैयार हो गया है। बूम मुख्य मार्ग से स्नान घाट तक सड़क पूरी तरह से व्यवस्थित कर दी गई है। बताया कि व्यवस्थाओं को शीघ्र अंतिम रूप दिया जाएगा।

### दुष्कर्म के आरोपी युवक को दस साल का कारावास

हरिद्वार। महिला से बाथरूम में घुसकर दुष्कर्म, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में विशेष पॉक्सो जज/अपर जिला जज/एफटीएससी चंद्रमणि राय ने आरोपी युवक को दोषी करार दिया है। एफटीएससी कोर्ट ने आरोपी युवक को 10 वर्ष कठोर कारावास व एक लाख 20500 रुपये के अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। शासकीय अधिवक्ता भूपेंद्र चौहान ने बताया कि आठ दिसंबर 2021 को दोपहर करीब तीन बजे पथरी क्षेत्र में घर पर अकेली महिला बाथरूम में नहा रही थी। बाथरूम में दरवाजा नहीं होने पर दरवाजे पर कपड़े का पर्दा डाला हुआ था। तभी वहां पर आरोपी युवक घुस आया और पीड़ित महिला के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया था। यही नहीं, पीड़ित महिला के विरोध करने पर आरोपी युवक ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान महिला के सिर व हाथ पर चोटें आई थीं।

# वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया बजट

नई दिल्ली, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच बजट पेश कर दिया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ती हुई और बड़ी है। हमने पिछले 10 सालों में दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण के दौरान कहा, हमारा फोकस ज्ञान (जीवाईएएन) यानी गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति पर है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, मैन्युफैक्चरिंग और मेकिंग इंडिया, रोजगार और इनोवेशन पर हमारा ध्यान केंद्रित है। साथ ही कृषि और निर्यात पर हम काम कर रहे हैं, हमारा उद्देश्य विकसित भारत बनाने पर है। पीएम मोदी के नेतृत्व में इकोनॉमी को गति देंगे। ये विकसित भारत का बजट है। उन्होंने किसानों के लिए धनधान्य योजना का ऐलान किया है। उन्होंने कहा, किसानों के लिए प्रधानमंत्री धनधान्य योजना शुरू की जाएगी। इसके अलावा किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाकर 5 लाख की गई है।उन्होंने कहा, यह बजट सरकार के विकास को बढ़ाने, सभी के डेवलपमेंट, मिडिल क्लास की क्षमता को बढ़ाने के लिए समर्पित है। हमने इस सदी के 25 साल पूरे करने जा रहे हैं। हमारी विकसित भारत की उम्मीदों ने हमें प्रेरणा दी है। निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा, हमारी अर्थव्यवस्था सभी प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। पिछले 10 वर्षों में हमारे विकास के ट्रैक रिकॉर्ड और ढांचागत सुधारों ने विश्व का ध्यान हमारी ओर खींचा है। इस अवधि के दौरान, भारत की योग्यता और सामर्थ्य में भरोसा बढ़ता गया है। अगले 5 वर्षों को हम सभी क्षेत्रों के संतुलित विकास में तेजी लाते हुए सबका विकास को साकार करने के अद्वितीय अवसर के रूप में देखते हैं। वित्त मंत्री ने कहा, मेक इन इंडिया, इम्प्लॉयमेंट और इनोवेशन, एनर्जी सप्लाई, स्पोर्ट्स का डेवलपमेंट, एमएसएमई का विकास हमारी विकास यात्रा में शामिल हैं और इसका ईंधन रिफॉर्म्स हैं। इस कार्यक्रम से 1.7 करोड़ किसानों को मदद की संभावना है। ग्रामीण संपन्नता और अनुकूलन निर्माण राज्यों की भागीदारी से शुरू किया जाएगा। कौशल, निवेश से कृषि में रोजगार का सुधार होगा। इसका मकसद ग्रामीण क्षेत्रों में विकल्प पैदा करना है। युवा किसानों, ग्रामीण महिलाओं, और छोटे किसानों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पहले चरण में 100 विकासशील कृषि जिलों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया, खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता के लिए सरकार राष्ट्रीय तेल मिशन को चला रही है। 10 साल पहले हमने ठोस प्रयास किए थे और दलहन में आत्मनिर्भरता प्राप्त की थी। तब से आय में वृद्धि और बेहतर आर्थिक क्षमता की वृद्धि हुई है। अब सरकार तुअर, उड़द और मसूर पर ध्यान दे रही है। इसका विवरण दिया गया है। केंद्रीय एजेंसियों में पंजीकरण और करार करने वाले किसानों से 4 साल के दौरान सभी दलहन खरीदी जाएंगी।

## हर भारतीय के सपनों को पूरा करने वाला बजट, आत्मनिर्भर भारत अभियान को मिलेगी तेजी : पीएम मोदी

नई दिल्ली ,वित्त वर्ष 2025–26 के लिए आम बजट शनिवार को पेश हो गया है। इस बजट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली प्रतिक्रिया देते हुए इसे आम जनता का बजट बताया है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनकी टीम को इस जनता जनार्दन के बजट के लिए बहुत बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा, आज भारत की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। ये 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का बजट है, ये हर भारतीय के सपनों को पूरा करने वाला बजट है। हमने कई सेक्टर युवाओं के लिए खोल दिए हैं। सामान्य नागरिक विकसित भारत के मिशन को ड्राइव करने वाला है। ये बजट बचत को बढ़ाएगा, निवेश को बढ़ाएगा, खपत को बढ़ाएगा और ग्रोथ को भी तेजी से बढ़ाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनकी टीम को इस जनता जनार्दन के बजट के लिए बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा, आम तौर पर बजट का फोकस इस बात पर रहता है कि सरकार का खजाना कैसे भरेगा, लेकिन ये बजट उससे बिल्कुल उल्टा है। ये बजट देश के नागरिकों की जेब कैसी भरेगी, उनकी बचत कैसे बढ़ेगी और वे विकास के भागीदार कैसे बनेंगे, इसकी बहुत मजबूत नींव रखता है। इस बजट में रिफॉर्म की दिशा में अहम कदम उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूक्लियर एनर्जी में निजी सेक्टर को बढ़ावा देने के निर्णय को एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा, न्यूक्लियर एनर्जी में निजी सेक्टर को बढ़ावा देने का निर्णय बहुत ही ऐतिहासिक है। ये आने वाले समय में सिविल न्यूक्लियर एनर्जी का बड़ा योगदान देश के विकास में सुनिश्चित करेगा। बजट में रोजगार के सभी क्षेत्रों को हर प्रकार से प्राथमिकता दी गई है।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं दो चीजों को बहुत अहम मानता हूं। एक इन्फ्रास्ट्रक्चर स्टेटस देने के कारण भारत में बड़े शिप्स के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा, आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति मिलेगी। ये सबसे अधिक रोजगार वाला सेक्टर है। टूरिज्म की बहुत संभावनाएं हैं। महत्वपूर्ण 50 टूरिस्ट डेस्टीनेशन पर होटल बनाएंगे, उन्हें पहली बार इन्फ्रास्ट्रक्चर के दायरे में लाकर टूरिज्म पर बहुत बल दिया है।

## बजट 2025: किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 3 से बढ़कर 5 लाख हुई

नईदिल्ली,वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण केंद्रीय बजट पेश कर रही हैं। बजट की शुरुआत में ही उन्होंने किसानों के लिए कई बड़े ऐलान कर दिए हैं। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की लिमिट 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है। इसके अलावा खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्रीय तेल मिशन, राष्ट्रीय उच्च पैदावार बीज मिशन और प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना की भी घोषणा की है। वित्त मंत्री ने बजट में बिहार में मखाना बोर्ड बनाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा, बिहार के लोगों के लिए एक विशेष अवसर है। मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन में सुधार के लिए राज्य में मखाना बोर्ड की स्थापना की जाएगी। इन गतिविधियों में लगे लोगों को एफपीओ में संगठित किया जाएगा। मखाना किसानों को सहायता और प्रशिक्षण और यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम किया जाएगा कि उन्हें सभी प्रासंगिक सरकारी योजनाओं का लाभ मिले। वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना का भी ऐलान किया है। ये योजना शुरुआती चरण में 100 जिलों में शुरू होगी, जहां खेती की पैदावार कम है। इस योजना से किसानों को आधुनिक खेती, नई तकनीक और बेहतर वित्तीय सहायता मिलेगी। इसमें कम पैदावार, आधुनिक फसल गहनता और औसत से कम ऋण मापदंडों वाले 100 जिले शामिल किए जाएंगे। इससे 1.7 करोड़ किसानों को फायदा होगा। किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 7.7 करोड़ किसानों, मछुआरों को लोन मिलता रहेगा। इसकी सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख की जाएगी। पूर्वी क्षेत्र में निष्क्रिय पड़े यूरिया संसाधनों को सक्रिय किया गया है। असम के नामरूप में 12.7 टन सालाना क्षमता का यूरिया संयंत्र लगाया जाएगा। कपास उत्पादकता मिशन के तहत उत्पादकता में पर्याप्त बढ़ोतरी होगी और कपास के लंबे रेशे वाली किस्मों को बढ़ावा दिया जाएगा। किसानों की आमदनी को बढ़त मिलेगी। अगले 6 साल में मसूर, तुअर जैसी दालों की पैदावार बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा, सब्जियों व फलों का उत्पादन बढ़ाने और लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए व्यापक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। सरकार दालों में आत्मनिर्भर बनने के लिए 6 साल का एक कार्यक्रम शुरू करेगी, तुअर (अरहर), उड़द और मसूर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

### व्यापारियों और लोगों ने बजट की तारीफ की

हरिद्वार। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को संसद में बजट पेश किया। इस दौरान शहर के व्यापारियों और आम लोगों ने बजट को टीवी पर लाइव सुना। लोगों ने बजट सुनने के लिए पहले से व्यवस्थाएं बनाई हुई थी। बजट सुन रहे लोग वित्त मंत्री की घोषणाओं पर खुश होकर तालियां बजाते और सरकार की तारीफ करते नजर आए। लोगों के अनुसार सरकार ने अच्छा बजट पेश किया है। सभी वर्गों का ध्यान बजट में रखा गया है। खास कर मध्य वर्गीय लोगों को सरकार ने बजट में बड़ी राहत दी है।

**इनकम टैक्स में छूट देने की घोषणा होने पर बजी तालियां**

ज्वालापुर पीठ बाजार में सत्यम ज्वेलर्स के अनुज गुप्ता ने दुकान पर बजट देखने की व्यवस्था की हुई थी। दीपक मदान, संजय मेहता, अय्यूब अंसारी, देवाशीष शर्मा, रितेश पालीवाल, नितिन शर्मा आदि लोग एलईडी टीवी पर सरकार का बजट सुनते मिले। बजट सुनते हुए बीच बीच में लोग अपने तर्क और प्रतिक्रिया देते नजर आए। लोगों के बीच बजट को लेकर चर्चा चलती रही। इस दौरान वित्त मंत्री ने घोषणा करते हुए इनकम टैक्स में 12 लाख तक छूट की घोषणा की। यह सुनते दुकान में तालियां बजने लगी। टैक्स स्लैब बढ़ाने पर लोग बड़े खुश हुए। लोगों का कहना था कि काफी अच्छा बजट सरकार पेश कर रही है।

## बजट 2025: मेडिकल कॉलेज में बढ़ेंगी 75,000 सीटें, आईआईटी का भी होगा विस्तार

नईदिल्ली,वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में देश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के लिए कई अहम घोषणाएं की हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में अगले 5 साल में 75,000 सीटें जोड़ी जाएंगी। इनमें से 10,000 सीटें अगले एक साल में बढ़ाई जाएंगी।उन्होंने कहा, पिछले दशक में 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में छात्र क्षमता दोगुनी हो गई है और अब इनमें 1.35 लाख छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा 5 आईआईटी को अपने बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और अतिरिक्त 6,500 छात्रों को आवास प्रदान करने के लिए धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। इन 5 आईआईटी में भिलाई, धारवाड़, गोवा, जम्मू और तिरुपति आईआईटी शामिल हैं। इसके अलावा सरकार ने आईआईटी पटना के विस्तार के लिए विशेष रूप से धन आवंटित किया है। 500 करोड़ की राशि से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के लिए एक संस्थान की स्थापना की जाएगी। वित्त मंत्री ने शिक्षा में एआई के लिए 5 राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की घोषणा की है, जिन्हें वैश्विक भागीदारी के माध्यम से विकसित किया जाएगा। सीतारमण ने कहा कि अगले 5 सालों में छात्रों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सरकारी स्कूलों में 50,000 अटल टिंकरिंग लैब स्थापित किए जाएंगे। यह कदम सरकार के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसके तहत एआई को अकादमिक और शोध संस्थानों खासतौर पर आईआईटी में एकीकृत किया जाएगा।

### बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय बजट को सकारात्मक और स्वागत योग्य बताया

पटना ,बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार के आम बजट को सराहा है। मुख्यमंत्री ने आम बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट सकारात्मक एवं स्वागत योग्य है। केंद्र सरकार का यह बजट प्रगतिशील एवं भविष्योन्मुखी है। इस बजट के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा देश के विकास की गति को और बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

## केंद्रीय बजट विकासोन्मुखी और जनकल्याणकारी : सीएम धामी

**●सालाना 12 लाख रुपए तक की आय को कर मुक्त से मध्यम वर्ग को बड़ी राहत ●चालू वित्तीय वर्ष में केंद्रीय करों से उत्तराखंड को मिलेगी 444 करोड़ की अतिरिक्त राशि**

**जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून** : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सालाना 12 लाख रुपए तक की आय को कर मुक्त करते हुए देश के मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दी है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकासोन्मुखी और जनकल्याणकारी बजट प्रस्तुत किया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को शानदार और संतुलित बजट के लिए बधाई देते हुए कहा कि केंद्रीय बजट से, उत्तराखंड को कई योजनाओं से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ होगा। शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पेश बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस वर्ष के संशोधित अनुमान में केन्द्रीय करों में राज्य का हिस्सा लगभग 14387 रुपए करोड़ होगा। इससे मौजूदा वित्तीय वर्ष में प्रदेश को 444 करोड़ रुपए अतिरिक्त मिलने का रास्ता साफ हो गया है। आगामी वर्ष हेतु यह राशि लगभग 15902 करोड़ रुपए तक जा सकती है। राज्य के लिए यह राशि अत्यन्त महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने केंद्रीय वित्त मंत्री के साथ बजट-पूर्व सम्मेलन में 11 बिन्दुओं का निवेदन किया था। जिसका समावेश भी बजट में दिख रहा है। इसके लिए, उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार ने केंद्र से अपने राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व साइबर सुरक्षा से संबंधित उत्कृष्टता केन्द्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) स्थापित किये जाने का निवेदन किया था। इस बजट में देश में 5 नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एवं सरकारी स्कूलों में 50,000 अटल टिंकरिंग लैब बनाने की घोषणा की गई है। इसी तरह सभी सरकारी स्कूलों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी की घोषणा प्रदेश के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। नॉलेज इकॉनोमी के लिए यह एक मजबूत नीव होगी। इसी तरह केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन योजना के अवशेष कार्यों को पूर्ण करने की समय-सीमा 2028 तक बढ़ाने के लिए राज्य का अनुरोध स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय बजट में राज्यों के पूंजीगत विकास के लिए 1.5 लाख करोड रुपए कर्ज का प्रावधान किया गया है। यह इस वर्ष के संशोधित अनुमान 1,25,000 करोड़ से 25,000 करोड़ रुपए अधिक है। विगत दो वर्षों में इस ब्याज मुक्त योजना से हमारे राज्य को बड़ा लाभ मिला है।

**जिलों में होगा कैंसर मरीजों का उपचार**

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 125 शहरों के लिए नई उड़ान योजना शुरू किए जाने का लाभ उत्तराखण्ड को भी मिलेगा। अगले 3 साल में देश के सभी जिलों में कैंसर सेंटर बनाए जाने से प्रदेश में चिकित्सा सेवा को विस्तार मिलेगा। देश के 100 जिलों में धन धान्य योजना की शुरुआत से प्रदेश के किसान के भी लाभान्वित होने की आशा है।

### बजट भाषण के साथ ही लोकसभा सोमवार तक के लिए स्थगित

नईदिल्ली,केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को आम बजट 2025 पेश करते समय कई प्रमुख ऐलान किए हैं, जिसमें इनकम टैक्स को लेकर की गई घोषणा की चर्चा शुरू हो गई है। बजट पेश करने के बाद लोकसभा ने सर्वसम्मति से इस पर अपनी मुहर लगा दी है। इसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी है। शनिवार को बजट भाषण सुबह 11 बजे शुरू हुआ था। आमतौर पर शनिवार और रविवार को सदन की कार्यवाही नहीं होती, लेकिन 1 फरवरी को बजट के कारण सदन बुलाया गया था। बजट हर साल 1 फरवरी को सुबह 11 बजे पेश किया जाता है। बता दें, शनिवार को बजट भाषण शुरू होने से पहले अखिलेश यादव समेत कुछ अन्य विपक्षी सांसदों ने सदन का बहिष्कार कर दिया। उनकी मांग थी कि बजट से पहले प्रयागराज के महाकुंभ में हुई भगदड़ पर चर्चा की जाए। वित्त मंत्री सीतारमण ने इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव की घोषणा की है। अब 12 लाख रुपये वार्षिक कमाई करने वालों को इनकम टैक्स नही देना होगा। कैंसर, असाधारण और गंभीर बीमारियों के मरीजों को राहत देते हुए 36 जीवन रक्षक दवाइयों पर कस्टम ड्यूटी को पूरी तरह खत्म करने और 6 दवाइयों को विशेष राहत वाली सूची में शामिल करने की घोषणा हुई है।

## विकसित एवं समृद्ध भारत का बजट : महाराज

देहरादून। प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि केन्द्रीय बजट–2025 सकारात्मक, स्वागत योग्य और आम व्यक्ति का बजट है।केन्द्रीय बजट–2025 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि ष्ये बजट एक विकसित एवं समृद्ध भारत का बजट है।" यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प का और एक नये ऊर्जावान युवा भारत के सपनों को साकार करने का बजट है। यह बजट हर वर्ग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। नई कर व्यवस्था के तहत 12 लाख की इनकम तक वालों को इनकम टैक्स के दायरे बाहर करना आम आदमी को बड़ी राहत देगा और भारत को आगे लेकर जाएगा। महाराज ने कहा इस बजट के माध्यम से केन्द्र सरकार द्वारा देश के विकास की गति को और बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। बजट में गरीब, युवा, किसानों के हित में कई कदम उठाए गए हैं, यह स्वागत योग्य है।

## पूज्य संतों के धैर्य के आगे विफल हुए सनातन के विरोधी : सीएम योगी

महाकुंभ नगर , उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज दौरे पर शनिवार को सेक्टर 22 में दो पूज्य संतों के पट्टाभिषेक के लिए आयोजित धर्म सभा कार्यक्रम में पहुंचे, जहां उन्होंने संतों का आशीर्वाद लिया और नव मनोनीत जगद्गुरुओं को बधाई दी। महाकुंभ के सेक्टर–22 में संतोष दास सतुआ बाबा और स्वामी राम कमलाचार्य का पट्टाभिषेक किया गया। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने दोनों संतों को जगद्गुरु के पद के लिए नामांकित किया।

इस अवसर पर सीएम योगी ने सनातन धर्म के अभियान को आगे बढ़ाने वाले दोनों संतों का अभिनंदन किया और बधाई दी। धर्म सभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी सनातन धर्म के स्तंभ हैं। विपरीत परिस्थितियों में धैर्य से चुनौतियों का सामना करते हुए अपने इस अभियान को आगे बढ़ाना है, क्योंकि सनातन धर्म ही मानव धर्म है। सनातन रहेगा तो मानव धर्म रहेगा, मानवता रहेगी, सृष्टि रहेगी।

सीएम योगी ने कहा कि उन पूज्य संतों का अभिनंदन करूंगा, जिन्होंने मौनी अमावस्या के अवसर पर पूरे धैर्य का सामना किया। कुछ पुण्यात्मा हादसे का शिकार हुईं, लेकिन उन परिस्थितियों में हमारे संत एक अभिभावक के रूप में नजर आए। जैसे परिवार के ऊपर एक विपत्ति आती है तो परिवार का अभिभावक भयभीत नहीं होता, उसी तरह हिम्मत के साथ खड़े होते हुए इस चुनौती का सामना करते हुए उन्होंने इससे उबारने का कार्य किया।

### मुखबा में पीएम के दौरे को लेकर तैयारी में जुटा प्रशासन

उत्तरकाशी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फरवरी माह में मुखबा–हर्षिल आने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने पीएम के संभावित भ्रमण कार्यक्रम को लेकर सभी विभागीय अधिकारियों को आवश्यक तैयारियों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फरवरी माह में उत्तरकाशी जिले के सीमांत मुखबा गांव स्थित मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल स्थित मां गंगा के मंदिर में दर्शन–पूजन कर शीतकालीन यात्रा में प्रतिभाग करेंगे। जिसको लेकर जिला प्रशासन संभावित भ्रमण कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने में जुटा है। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए सीमांत क्षेत्र के वाइब्रेंट विलेज– हर्षिल में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाने की तैयारी की जा रही है। मुखबा में पार्किंग व रास्तों के निर्माण तथा सौंदर्यीकरण से जुड़े अनेक कार्य कराए जा रहे हैं। इस क्षेत्र में सड़कों की दुरस्त किए जाने के साथ ही ऋश बैरियर्स की स्थापना, सड़कों के किनारे पर दीवालों व पैरापिट निर्माण जैसे सुरक्षात्मक कार्य भी संपन्न करने का कार्य प्रगति पर है।

## आचार्यकुलम से प्राप्त संस्कारों से विद्यार्थी का होता है नित्य शिखरारोहण: रामदेव

हरिद्वार। योगगुरु रामदेव ने कहा कि आचार्यकुलम् विश्व का एकमात्र शिक्षण संस्थान है, जहां योग व आध्यात्म से प्राप्त संस्कारों से विद्यार्थी का नित्य शिखररोहण होता है। कहा कि दीक्षारोहण का पावन उत्सव सकारात्मकता व पुरुषार्थ का संवाहक है। यह बातें उन्होंने दीक्षारोहण के दौरान कही। योगगुरु रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की ओर से स्थापित आवासीय विद्यालय आचार्यकुलम् में शनिवार को सत्र 2024–25 की कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के दीक्षारोहण का पावन उत्सव वैदिक रीति से संपन्न हुआ। इस मौके पर आचार्यकुलम् शिक्षण संस्थान में 13 कुण्डीय विशेष यज्ञ का आयोजन किया गया। कक्षा 12वीं के 57 बालकों व 40 बालिकाओं सहित कुल 97 विद्यार्थियों का दीक्षारोहण वैदिक रीति से संपन्न हुआ। मंत्रोच्चार के मध्य योगगुरु ने प्रत्येक क्रियाविधि की सरल व्याख्या की। सभी विद्यार्थियों ने रामदेव की ओर से प्रज्ज्वलित 'महाज्ञान ज्योति से अपने दीपों को प्रज्ज्वलित कर दीक्षारोहण की प्रतिज्ञा ली और आचार्यकुलम् से प्राप्त शिक्षा व संस्कारों को सर्वत्र प्रसारित करने का संकल्प व्यक्त किया। योगगुरु ने सभी विद्यार्थियों को अपने करकमलों से प्रतीकचिह्न भेंट किए और सुमनवृष्टि कर शुभाशीष प्रदान किया। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि दीक्षाप्राप्त विद्यार्थियों को योग व यज्ञ के अनुशासन का सदैव पालन करना चाहिए। आचार्यकुलम् प्रबंधन की उपाध्यक्षा डॉ. ऋतंभरा शास्त्री और प्राचार्या स्वाति मुंशी ने भी विद्यार्थियों को आगामी बोर्ड की परीक्षाओं हेतु शुभकामनाएं व शुभाशीष प्रदान किया। इस मौके पर पतंजलि विश्वविद्यालय की कुलानुशासिका और डीन साध्वी देवप्रिया, आशु, भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एनपी सिंह, वैदिक गुरुकुलम् के प्राचार्य स्वामी ईशदेव, पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल यादव आदि शामिल रहे।

## विपक्ष भले मरा हो पर वोट ज्यादा!

**हरिशंकर व्यास**

भारत के लोकतंत्र का अभूतपूर्व तथ्य है जो 1952 से अभी तक के लोकसभा चुनावों में कभी भी, किसी भी सत्तारूढ़ पार्टी को 50 प्रतिशत पार वोट नहीं मिले। पचास प्रतिशत करीब के 48 प्रतिशत वोट का रिकॉर्ड केवल राजीव गांधी के 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का है। तब कांग्रेस को 48 प्रतिशत वोट और 415 सीटें मिली थी। इंदिरा गांधी की हत्या पर जन सहानुभूति में 64 प्रतिशत मतदान था। और कांग्रेस को 48 प्रतिशत वोटों वाला जनादेश। जबकि मालूम है नरेंद्र मोदी के 2014 तथा 2019 के चुनाव में भाजपा को कुल कितना वोट मिला? सन् 2014 में 31 प्रतिशत वोट व 282 सीटें वहीं 2019 में 37.7 प्रतिशत वोट और 303 सीटे। कांग्रेस की सरकारों के 1952, 1957, 1962, 1967, 1971, 1980, 1984 के जनादेश से निर्मित नेहरू, इंदिरा, राजीव का प्रधानमंत्री पद हमेशा 41 से 48 प्रतिशत वोटों पर था। इमरजेंसी के बाद 1977 के चुनाव में कांग्रेस हारी थी। तब वह 35 प्रतिशत वोट और 154 सीटों पर सिमटी थी। नरसिंह राव, डॉ. मनमोहन सिंह की अल्पमत सरकारें जरूर कांग्रेस के 36 और 27–29 प्रतिशत वोट आधार की थीं।

उस नाते 2014 में अच्छे दिनों की हवा के 31 प्रतिशत और 2019 की पुलवामा व छप्पन इंची छाती की आंधी में कुल 37.7 प्रतिशत वोटों का नरेंद्र मोदी का जनादेश भारत के चुनावी इतिहास का एक सामान्य–मामूली आंकड़ा है। तभी लाख टके का सवाल है कि 400 सीटों के हल्ले में भी क्या भाजपा चालीस प्रतिशत वोट पाने का सामान्य आंकड़ा भी पा सकेगी? नेहरू के कार्यकाल के औसत 46 प्रतिशत, इंदिरा गांधी के 42.3 और राजीव गांधी के 48 प्रतिशत वोटों के जनादेश का रिकॉर्ड क्या नरेंद्र मोदी 2024 में तोड़ रहे हैं?नामुमकिन है। भाजपा विपक्ष की फूट से सीटें भले अच्छी पा ले लेकिन भारत के कुल मतदाताओं में नरेंद्र मोदी के लिए ठप्पा लगाने वाले 40 प्रतिशत लोग भी शायद ही हों। मोदी के विरोधियों के 60 प्रतिशत वोट होंगे ही होंगे।मैं सीट संख्या के मामले में भाजपा की एक्सट्रीम हवा का हिसाब लगाए हुए हूं। मतलब यह कि रामजी की जब हवा है तो यूपी, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, छतीसगढ़, हिमाचल, उत्तराखंड, दिल्ली, जम्मू क्षेत्र, गोवा, दादर–दमन की 204 सीटों में हर सीट भाजपा की झोली में। बावजूद इससे 400 पार सीटों का आधार नहीं बनता। दूसरी कैटेगरी में मुकाबले वाले महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, कर्नाटक, ओडिशा, असम की 207 सीटों का ब्लॉक है। इसमें क्या भाजपा 2019 जितनी यानी 113 सीटें वापिस जीत सकेगी? कतई नहीं। विपक्ष के गढ़ के नाते फिलहाल तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और पंजाब की 115 सीटों में भाजपा की दाल नहीं गलनी है। उत्तर–पूर्व, लक्षद्वीप, अंडमान जैसे छोटे–छोटे राज्यों की बाकी 19 सीटों का ब्लॉक मोटा मोटी लुढ़कता लोटा है। जाहिर है इस बार 400 पार की भाजपा हवाबाजी सिरे नहीं चढ़ेगी।सवाल है इस चुनावी तस्वीर में 400 सीटें आसान हैं या 273 सीटों के लिए भी मुकाबला है? नोट रखें 400 सीटों के हल्ले के पीछे और मोदी–शाह की सारी जोड़–तोड़ के पीछे का मकसद जैसे–तैसे 273 से पार और 300 सीटों का आंकड़ा पा कर लाज बचाने का है। नरेंद्र मोदी जानते हैं कि दस साल की एंटी इन्कमबैंसी जीतना कितना मुश्किल होता है और मंदिर की हवा, हिंदू–मुस्लिम, तमाम तरह की जुमलेबाजी, नोटंकियों–झांकियों के बावजूद यूपी में न अस्सी की अस्सी सीटे जीती जा सकती है और न महाराष्ट्र में यूपी जैसी भगवा हवा बन सकती है। और यह भी नोट रखें कि नरेंद्र मोदी से चुनाव में विपक्ष लड़ता हुआ नहीं होगा, बल्कि जनता वोट देते हुए होगी क्योंकि भारत के लोकतंत्र की खूबी है जो 52 से 61 प्रतिशत वोट हमेशा सत्ता के खिलाफ वोट देता आया है और यह अलग बात है कि वह हमेशा विपक्ष की फूट से बिखरा रहा है!

## हताश युवा क्या करें?

भारत सरकार ने मान लिया है कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए रूसी सेना ने कई भारतीय युवाओं की भर्ती की है। इस प्रकरण में उठा मुख्य मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय नौजवान कहीं भी, कैसा भी काम पाने के लिए इतने व्यग्र क्यों हैं? भारत सरकार ने स्वीकार कर लिया है कि रूस–यूक्रेन युद्ध के लिए रूस की सेना ने कई भारतीय युवाओं की भर्ती की है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ऐसे कम–से–कम 100 भारतीय नौजवान रूसी सेना में नौकरी कर रहे हैं। उनमें से कम–से–कम तीन को रूस ने मोर्चे पर तैनात किया है। यानी वे रूस की तरफ से युद्ध लड़ रहे हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह संभवतः पहला मौका है, जब भारतीयों के सामूहिक रूप से भाड़े के सैनिक बनने की खबर आई है। सामने आईं जानकारियों के मुताबिक रूस की सेना ने दुबई के जरिए इन भारतीयों को अनुबंधित किया। रूस के गए नौजवानों के परिजनों का दावा है कि इन लोगों की नियुक्ति रूसी सेना की सहायता के लिए की गई थी, लेकिन यूक्रेन सीमा के पास ले जाकर उन्हें बताया गया कि उन्हें लड़ाई भी लडनी है। मुद्दा उछलने के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इन भारतीयों को स्वदेश लाने के लिए भारत सरकार रूस की सेना के साथ संपर्क में है। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को आगाह किया है कि वह रूस–यूक्रेन युद्ध से अपने आपको दूर रखें। लेकिन यह सलाह बेमतलब है। जब ये नौजवान रूस चले गए, तब वहां के हालात उनके अपने हाथ में नहीं होंगे। इसलिए विचारणीय प्रश्न यह है कि आखिर भारतीय नौजवान विदेशों में कहीं भी, कैसा भी काम पाने के लिए इतने व्यग्र क्यों हैं? आखिर खुद भारत सरकार ने युद्ध–ग्रस्त इजराइल में मेहनत–मजदूरी करने के लिए हजारों युवाओं को भेजने का करार किया है। वहां जाने के लिए जुटी भीड़ में शामिल नौजावनों ने मीडिया से कहा था कि उन्हें इजराइल जाने का जोखिम मालूम है, लेकिन उन्हें लगता है कि यहां भूखों मरने से बेहतर वहां काम करते हुए मरना है।

# हर व्यक्ति की अपनी भाषा दरअसल उसकी दुनिया होती है

**उमेश चतुर्वेदी**

बीसवीं सदी के भाषा दार्शनिकों में लुडविग विट्गेंश्टाइन का नाम गंभीरता से लिया जाता है । लुडविग ने भाषा को लेकर अनोखी बात कही है, 'मेरी भाषा की सीमा का अर्थ है, मेरी दुनिया की चौहद्दी ।' इसका साफ अर्थ यह है कि हर व्यक्ति की अपनी भाषा दरअसल उसकी दुनिया होती है । ऐसी दुनिया, जिसमें सिर्फ भूगोल ही शामिल नहीं है, इतिहास भी है और संस्कृति भी, जिसमें परंपरा भी शामिल है और सदियों का अपना विशिष्ट ज्ञान भी । जिस तरह नदियां अपने उद्गम और अपने प्रवाह वाले क्षेत्रों की पूरी संस्कृति और पर्यावरण के अथाह गुणों को स्वयं में समाये रखती हैं, भाषाएं भी नदी की ही भांति अपनी परंपरा, सोच, अपने दर्शन, भूगोल और इतिहास के साथ ही समूची संस्कृति को लेकर प्रवाहित होती रही हैं ।

यहां प्रश्न उठ सकता है कि भाषाओं को लेकर ऐसी बातों का संदर्भ क्या है? दरअसल, संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनेस्को ने भाषाओं को लेकर जो ताजा रिपोर्ट जारी की है, उसमें कहा गया है कि हर दो सप्ताह बाद दुनिया की एक भाषा मर रही है । पहले जहां हर तीन महीने के अंतराल पर एक भाषा की मौत की खबर आती थी, वहीं 2019 के बाद इस गति में तेजी आयी है । इस दर से हर वर्ष दुनिया से करीब नौ भाषाओं का अस्तित्व खत्म होता जा रहा है । स्पष्ट है कि यदि एक भाषा मर रही है, तो वास्तव में उस भाषा की अपनी विशिष्ट संस्कृति, उसकी अपनी सोच और उसका अपना परिवेश बोध मर रहा है । इन अर्थों में देखें, तो भाषाओं का इस तरह मरते जाना संस्कृतियों के बहुलवादी स्वरूप का संकुचित होते जाना है ।

यूनेस्को के अनुसार, एक हजार ईस्वी तक दुनियाभर में नौ हजार से कुछ ज्यादा भाषाएं अस्तित्व में थीं । जिनकी संख्या घटते–घटते आज सात हजार के आसपास सिमट गयी हैं । यूनेस्को को आशंका है कि भाषाओं के मरने की यदि यही दर बनी रही, तो 21वीं सदी के अंत तक दुनियाभर की करीब तीन हजार भाषाओं का अस्तित्व समाप्त हो चुका होगा । भाषाओं के जानकारों के अनुसार, यूनेस्को का यह आकलन उम्मीदों से भरा है । जबकि पश्चिम के कई भाषा और मानवशास्त्री मानते हैं कि यदि भाषाओं के मरने की गति ऐसी ही रही, तो 2200 तक दुनियाभर में महज 100 भाषाएं ही जीवित रह पायेंगी ।

भाषाओं के लुप्त होने को लेकर भारत में एक अवधारणा यह है कि जो भाषा क्लिष्ट या कठिन होती जाती है, वह लोक व्यवहार में समाप्त होती जाती है । संस्कृत भाषा के बारे में नहीं कह सकते कि वह समाप्त हो चुकी है, पर उसका चलन घट गया है । एक खास धारा की वैचारिकी और भाषा दार्शनिक संस्कृत के चलन से बाहर होने के लिए उसके गंभीर होते जाने का उदाहरण देते हुए भाषाओं के लुप्त होने का सिद्धांत गढ़ते रहे हैं । परंतु क्या सचमुच भाषाएं केवल इसी वजह से समाप्त हो रही हैं कि वे क्लिष्ट या कठिन होती जा रही हैं? आधुनिक संदर्भों में देखें, तो यह तर्क सही नहीं लगता । अंग्रेजी को ही लीजिए । कठिन अंग्रेजी बोलना शान का प्रतीक माना जाता है । इस लिहाज से तो उसे भी चलन से दूर होना चाहिए था, पर उल्टे वह बढ़ रही है ।

आधुनिक विश्व में सबसे बेहतरीन व्यवस्था लोकतंत्र को माना जा रहा है । पर यह लोकतंत्र केवल राजनीतिक संदर्भों तक ही सिमटता जा रहा है । विश्व ग्राम में बदली दुनिया में हर देश में एकरूपता बढ़ती जा रही है । संस्कृतियां और उनकी अपनी विशिष्ट परंपराएं रोजाना के व्यवहार का विषय नहीं रहीं । उदारीकरण और वैश्वीकरण के चलते पूरी दुनिया तकरीबन एक तरह के खानपान, पहनावे और एक तरह की भाषा की ओर आकर्षित होती जा रही है । पश्चिमी सभ्यता और उसका सलीका ही मानक बनते जा रहे हैं । इस लिहाज से दुनियाभर की बोलियों में भी एकरूपता कभी सायासिक, तो कभी अनायास ही होती जा रही है । चूंकि रोजी और रोजगार के लिए छोटे समुदायों की भाषाएं सहयोगी नहीं रह पायी हैं, तो उनका चलन रोजाना की जिंदगी से कम होता जा रहा है और भाषाएं मर रही हैं । इसमें हर देश की अपनी केंद्रीय भाषा जहां केंद्रीय भूमिका में हैं, वहीं उसके देशज रूप लगातार या तो कमजोर हुए हैं या फिर लुप्त हो रहे हैं ।

कथित आधुनिक सोच इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दे रही है । भारत में अंग्रेजी इस आधुनिकता की वाहक है । इसी तरह कुछ प्रमुख भाषाएं अपने–अपने क्षेत्रों में आधुनिकता का केंद्रीय तत्व बन चुकी हैं ।

इस पूरी प्रक्रिया में बहुत सी ऐसी भाषाएं हैं, जो इतने कम लोगों द्वारा बोली जाती हैं कि निकट भविष्य में उनका अस्तित्व ही नहीं रहेगा । यूनेस्को की रिपोर्ट 'एटलस–लुप्तप्राय भाषाएं' के अनुसार, भारत में तीन ऐसी भाषाएं हैं, जिनके अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है । इसमें पहले स्थान पर कर्नाटक की कोरगा है, जिसे बोलने वालों की संख्या महज सोलह हजार ही है । हिमाचल प्रदेश की सिरमौरी को महज 31 हजार लोग ही बोलते हैं । इस सूची में तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ की पारजी भाषा है, जिसे केवल पचास हजार लोग बोल रहे हैं । एकीकरण के दौर में रोहिंग्या लोगों की भाषा हनीफी भी मरने के कगार पर है ।

यूरोप में ऐसे ही अस्तित्व के संकट से आयरिश, सिसिली और विडिश भाषाएं भी जूझ रही हैं । हमें याद रखना चाहिए कि भाषाओं की गहन विविधता सांस्कृतिक विविधता को न केवल सुनिश्चित करती है, बल्कि अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को आकार देती हैं । यदि आज के दौर में किसी भाषा को पीछे धकेला जा रहा है या किनारे किया जा रहा है, तो इसका अर्थ यह भी है कि इसके जरिये एक तरह से उस भाषा विशेष के क्षेत्र की संस्कृति का हिस्सा भी गायब हो रहा है । हर संस्कृति में सब कुछ लिखने की क्षमता नहीं होती, उसके कई तत्व श्रुति, स्मृति और चलन के सहारे जीवित रहते हैं । भाषा के मरने के बाद संस्कृति का यह अलिखा हमेशा–हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है । इसलिए जरूरी है कि हम अपनी भाषाओं को जीवित रखें ।

भाषाओं को जीवित रखने के लिए स्थानीय स्तर पर कोशिशें भी हो रही हैं । चीन ने अपनी पुरानी मंदारिन को संरक्षित करने के लिए अभियान चला रखा है । नाइजीरिया अपनी भाषाओं को वाचिक रूप में बचाये रखने के लिए रिकॉर्ड करने का सहारा ले रहा है । भारत में भी कई लोग अपनी बोलियों के लिए ऐसी कोशिशें कर रहे हैं ।

मरती हुई भाषाओं के लिए व्यक्तिगत की बजाय सामूहिक कोशिशें होनी चाहिए । भाषाएं क्यों जरूरी हैं, इसे हम अमेरिकी नारीवादी रीटा मे ब्राउन के शब्दों में समझ सकते हैं । रीटा कहती हैं, 'भाषा किसी भी संस्कृति का रोडमैप होती है । वह आपको बताती है कि इसे बोलने वाले लोग कहां से आते हैं और कहां जा रहे हैं ।'

## इलेक्टरल बॉन्ड गैर कानूनी

अजय दीक्षित

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है उसने राजनैतिक दलों को इलेक्टरल बॉड से मिलने वाले चंदे को गैर कानूनी करार दिया है । असल में अनेक कम्पनियां सत्तारूढ़ दल को चन्दा तो देना चाहती हैं (और बदले में अपने लिए कुछ विशेष रियायतें चाहती हैं) परन्तु वह अपना नाम गोपनीय रखना चाहती हैं । प्रायः तो सत्तारुढ़ दल को ही सबसे ज्यादा चन्दा मिलता है । सन् 2017–18 के वित्तीय वर्ष में तत्कालीन केन्द्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली इस स्कीम को लाये थे । इसके अन्तर्गत स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया साल में चार बार कुछ दिनों तक इलेक्टोरल बॉण्ड बेच सकती है । यह भी केवल कुछ ही निर्धारित शाखाओं पर । इस स्कीम के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति, संस्था, कम्पनी इन बॉण्डों को खरीद सकती है और फिर उसे किसी पार्टी को दे सकती है । स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया को तो मालूम रहता है कि बॉण्ड किसने खरीदा है, परन्तु राजनैतिक दल जिसे यह प्राप्त होता है, वह नही जानता कि यह दान किसने दिया है । यूं अनौपचारिक रूप से कहा जाता है कि वह व्यापारिक कम्पनी सत्तारुढ़ दल को बतला देती है कि वह इतनी राशि का इलेक्टोरल बॉण्ड दे रही है । इससे वह जो तथाकथित लाभ जाती है उसका रास्ता खुला रहता है । वे तो कोई और राजनैतिक दल या कोई व्यक्ति या इलेक्शन कमीशन को कुछ भी मालूम होता था । अभी तक नगद चंदा मात्र बीस हजार रुपये ही दिया जा सकता है । कोई चाहे तो चेक से भी दान दे सकता है, तब सबको पता चल जाता है कि कौन किस पार्टी को कितना चन्दा दे रहा है । इलेक्टोरल बॉण्ड से गोपनीयता बनी रहती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गुप्त चंदा वोटर से विश्वासघात है । आदेश में कहा गया है कि स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया अब तक जारी सभी इलेक्टोरल बॉण्ड किसने कब, कितने के खरीदे इसका विवरण तीन हफ्ते में इलेक्शन कमीशन को दें और इलेक्शन कमीशन को दें और इलेक्शन कमीशन से अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक करें ।

यह स्कीम लाते समय केन्द्रीय सरकार ने कम्पनी कानून और इनकम टेक्स आदि के नियमों में भी बदलाव किया था । सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की खूब खिचाई की है । पहले घाटे वाली कंपनियां चंदा नही दे सकती थीं । इस स्कीम में किसी पर कोई प्रतिबंध नही रहा । सुप्रीम कोर्ट में पेश आंकड़ों से ज्ञात होता है कि अब तक 16,000 करोड़ के बॉण्ड स्क्ष्ह्र ने बेचें हैं जिसमें से 6566 करोड़ रुपये का चन्दा भाजपा को मिला है । जनवरी 2024 तक 16518 करोड़ ग्यारह लाख रुपये के बॉण्ड बिके हैं । कहते हैं राजनैतिक दलों को जो चंदा मिला है उसमें आधे से ज्यादा इलेक्टोरल बॉण्ड से मिला है, किसी–किसी क्षेत्रीय दल को तो 90त्न तक चंदा इलेक्टोरल बॉण्ड से मिला है । भाजपा को कुल चंदे का आधा हिस्सा इलेक्टोरल बॉण्ड से मिला है । आर.बी.आई. के नियमों में भी बदलाव किया गया । अब यह सारी सूचना वेबसाइट पर आ जायेगी तो पता चल जायेगा कि किस पार्टी को किस कम्पनी ने पैसा दिया है । विपक्ष का आरोप है कि अब यह खुलासा हो जायेगा कि अडानी के ग्रुप ने कितना पैसा भाजपा को दिया है ?। वही विपक्ष को डर है कि अब यह पता चल जायेगा कि भाजपा को नीचा दिखलाने के लिए किस कम्पनी ने पैसा दिया है । कुल मिलाकर यह वोटर की बड़ी जीत है और भारत के प्रजातंत्र की रक्षा सुप्रीम कोर्ट ही कर सकता है और सत्तारूढ़ दल या विपक्ष देश में प्रजातंत्र की रक्षा के लिए मात्र घडियाली आंसू बहाते हैं ।

## भारत की रूस चिंता

विदेश मंत्री जयशंकर के हालिया भाषणों से भारत की यह इच्छा जाहिर होती है कि पश्चिमी देश भारतीय जरूरतों के मुताबिक अपनी नीतियों को ढालें। वे ऐसा रुख ना अपनाएं, जिससे रूस ज्यादा से ज्यादा चीन के करीब चला जाए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले हफ्ते एक जर्मन अखबार को दिए इंटरव्यू में पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस से तेल खरीदने के भारत के फैसले का बचाव किया। कहा कि मॉस्को ने कभी भी भारत के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाया है। दोनों देशों के बीच हमेशा स्थिर और दोस्ताना संबंध रहे हैं। ये बात जयशंकर ने ठीक उस समय कही, जब रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवालनी की मौत से पश्चिमी देश भड़के हुए थे। साथ ही यूक्रेन युद्ध के दो साल पूरा होने वाले थे। इस मौके पर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर पांच सौ नए प्रतिबंध लगाने का एलान किया, जिसके दायरे में रूस से कारोबार करने वाली कुछ भारतीय कंपनियां भी आ गई हैं। उसी माहौल के बीच नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि पश्चिमी देशों को चाहिए कि वे दरवाजे बंद करने के बजाय रूस को अधिक विकल्प उपलब्ध कराएं, ताकि वह चीन के ज्यादा करीब ना चला जाए। विदेश मंत्री ने यहां चीन के खिलाफ अपनी नाराजगी फिर जताई। कहा कि चीन को ह्यमाइंड गेमह्ल खेलने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए, जो अन्य देशों को सहभागियों के साथ मिलकर काम करने से रोकना चाहता है। निहितार्थ यह कि चूंकि भारत ने अमेरिका के साथ सहभागिता बनाई है, इसलिए चीन ने भारत के खिलाफ सख्त रुख अपना रखा है। वह चाहता है कि भारत अमेरिका से दूरी बनाए, तब वह 2020 में सीमा पर बने गतिरोध को दूर करने पर राजी होगा। जयशंकर के इन भाषणों से भारत की यह इच्छा जाहिर होती है कि पश्चिमी देश भारतीय जरूरतों के मुताबिक अपनी नीतियों को ढालें। संभवतः भारत सरकार की समझ यह है कि अमेरिका की चीन विरोधी रणनीति में भारत की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए वह पश्चिमी नीति को प्रभावित कर सकने की स्थिति में है।

# महाकुंभ मेला आध्यात्मिक ही नहीं, अपनी विशालता और अद्भुत आयोजन

**प्रो0 अश्विनी महाजन**

हर 12 वर्ष में एक बार लगने वाला महाकुंभ मेला उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में शुरू हो चुका है । इस वर्ष तेरह जनवरी से शुरू हुआ महाकुंभ मेला आध्यात्मिक ही नहीं, अपनी विशालता और श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए दुनिया के लिए एक अद्भुत आयोजन भी है । यह पवित्र समागम सदियों पुरानी परंपराओं और सांस्कृतिक भव्यता को भी दर्शाता है । इस महोत्सव की उत्पत्ति हिंदू पौराणिक कथाओं में निहित है । इसका उल्लेख पुराणों में भी मिलता है, जिनके अनुसार समुद्र मंथन के पश्चात कुंभ मेले का आयोजन शुरू हुआ । मान्यता है कि समुद्र मंथन से जो अमृत का पात्र निकला था, उसे लेकर जब देवताओं और असुरों के बीच संघर्ष हुआ, तो अमृत की चार बूंदें भारत के चार स्थानों पर गिरीं– प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक । तभी से ये स्थल कुंभ मेले के पवित्र स्थल बन गये ।

यह दुनिया का सबसे बड़ा समागम है, जिसमें लगभग 40 करोड़ लोग हिस्सा लेने वाले हैं । महाकुंभ के पहले ही दिन ,13 जनवरी, 2025 को, पौष पूर्णिमा स्नान के अवसर पर 1.5 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगायी, तो 14 जनवरी, 2025 को मकर संक्रांति के अवसर पर 3.5 करोड़ लोगों ने । मौनी अमावस्या स्नान, जो 29 जनवरी को 5 करोड़ लोगों ने भाग लिया, तीन फरवरी को बसंत पंचमी स्नान, 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा स्नान और 26 फरवरी को महाशिवरात्रि स्नान को मिलाकर कुल छह अमृत स्नान हैं ।

दुनिया के लिए यह किसी अचंभे से कम नहीं है कि एक ही स्थान पर 40 करोड़ श्रद्धालु आयेंगे । इसके लिए प्रशासन ने प्रयागराज में मेला स्थान को 3,200 हेक्टेयर से बढ़ाकर 4,000 हेक्टेयर कर दिया है । घाटों की लंबाई 12 किलोमीटर कर दी गयी है जो 2009 में मात्र आठ किलोमीटर ही थी । विदित हो कि कुंभ मेला एक स्थान पर नहीं, बल्कि ज्योतिषीय गणना के आधार पर चार अलग–अलग स्थानों पर लगता है । कुंभ मेले में 12 वर्ष के अंतराल का कारण यह है कि बृहस्पति को सूर्य के चारों ओर एक चक्कर पूरा करने में 12 वर्ष लगते हैं । कुंभ मेला वेबसाइट के अनुसार, जब बृहस्पति कुंभ राशि में होते हैं और सूर्य तथा चंद्रमा क्रमशः मेष व धनु राशि में होते हैं तो हरिद्वार में कुंभ आयोजित किया जाता है । जब बृहस्पति वृषभ राशि में होते हैं और सूर्य व चंद्रमा मकर राशि में होते हैं, तो कुंभ प्रयागराज में आयोजित किया जाता है । जब बृहस्पति सिंह राशि में होते हैं, सूर्य और चंद्रमा कर्क राशि में होते हैं, तो कुंभ नासिक तथा त्रयंबकेश्वर में आयोजित किया जाता है । यह आयोजन आर्थिक गतिविधियों का समागम भी है । जानकारों का मानना है कि 45 दिनों तक चलने वाला महाकुंभ मेला देश की जीडीपी में एक प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकता है । प्रदेश की जीडीपी में तो उससे कहीं ज्यादा वृद्धि हो सकती है । हालांकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की गणना के अनुसार, महाकुंभ में अपेक्षित 40 करोड़ लोग पांच हजार रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से खर्च करें, तो इससे दो लाख करोड़ रुपये का आर्थिक प्रभाव होगा । लेकिन कुछ अन्य लोगों का मानना है कि प्रति व्यक्ति खर्च 10 हजार रुपये तक हो सकता है, जिसका अर्थ है चार लाख करोड़ रुपये का आर्थिक प्रभाव । यह गणना बिना आधार के नहीं है ।

योगी आदित्यनाथ के अनुसार, 2019 के कुंभ ने 1.2 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त जीडीपी का सृजन किया था । इस मेले में 24 करोड़ लोगों ने भाग लिया था, जो 2013 के मेला से दोगुना था । यानी इस बार 40 करोड़ लोगों की अपेक्षित भागीदारी के चलते चार लाख करोड़ रुपये का आर्थिक प्रभाव अस्वाभाविक नहीं है । सरकार द्वारा इस मेले में 7,500 करोड़ रुपये खर्च किया जाना है, जिसमें राज्य सरकार का हिस्सा 5,400 करोड़ और केंद्र सरकार का हिस्सा 2,100 करोड़ रुपये का है । योगी आदित्यनाथ का यह भी कहना है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा अस्थायी शहर है । कुंभ मेला एक विशाल हिंदू तीर्थयात्रा और त्योहार है, जिसे 2017 में यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में अंकित किया गया था । यह मान्यता एक अद्वितीय और अमूल्य सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के रूप में त्योहार के महत्व को उजागर करती है, जो भारत की समृद्ध आध्यात्मिक परंपराओं को प्रदर्शित करती है और विविध समुदायों के बीच एकता को बढ़ावा देती है । हालांकि, 2019 कुंभ की व्यवस्थाएं भी कमतर नहीं थीं और 2017 के यूनेस्को द्वारा कुंभ को दी गयी मान्यता के अनुरूप ही थीं जिससे भारत की अद्वितीय पैमाने पर आयोजन की क्षमता का प्रदर्शन हुआ । परंतु महाकुंभ 2025 की व्यवस्थाएं एक अलग स्तर और पैमाने पर प्रबंधकीय चमत्कार को दर्शाती हैं । सुरक्षित और व्यवस्थित स्नान के लिए आठ नये घाट जोड़े गये हैं ।

# स्काई फोर्स ने इमरजेंसी समेत इन 3 फिल्मों को पछाड़ा

स्काई फोर्स ने बॉक्स ऑफिस पर पांच दिन पूरे कर लिए हैं. अक्षय कुमार, वीर पहाडिय़ा, सारा अली खान और निमरत कौर की फिल्म ने पहले वीकेंड में शानदार कमाई की. फिल्म ने पहले ही वीकेंड पर 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और 100 करोड़ी बनने के लिए तैयार है. हालांकि, पूरे सप्ताह के दौरान गति बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है. मेकर्स के मुताबिक, स्काई फोर्स ने पहले वीकेंड पर भारत में जहां 73.20 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. वहीं दुनियाभर में इसने 92.90 करोड़ रुपये कमाए. 24 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई स्काई फोर्स ने ओपनिंग डे पर 15.30 करोड़ रुपये का बिजनेस किया.

## बॉक्स ऑफिस पर कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी ने तोड़ा दम

अभिनेत्री कंगना रनौत ने लंबे समय से हिट फिल्म का मुंह नहीं देखा हैं। उम्मीद थी कि उनकी फिल्म इमरजेंसी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करेगी और इसके जरिए सालों बाद उन्हें एक हिट फिल्म नसीब होगी, लेकिन इसने भी उन्हें निराश कर दिया। हालत यह है कि फिल्म की कमाई लाखों में सिमटी हुई है। अब इमरजेंसी की कमाई के 12वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, इमरजेंसी ने अपनी रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 20 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 17.10 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म का बजट 60 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। कंगना के खाते में पिछले 10 साल से एक भी हिट फिल्म नहीं आई है। साल 2015 में रिलीज हुई तनु वेड्स मनु रिटर्न्स उनकी आखिरी हिट फिल्म थी। कंगना ने इमरजेंसी में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है, वहीं फिल्म में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, मिलिंद सोमन, महिमा चौधरी और दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक सहित कई कलाकार अहम भूमिका निभाते दिखे हैं।

# दिल्ली ने जीता मैच तो विराट ने दिल, ग्राउंडस्टाफ, पुलिस वालों के साथ खिंचवाई फोटो

नई दिल्ली। विराट कोहली की 13 साल बाद रणजी ट्रॉफी में वापसी मिली जुली रही। उनका बल्ला तो इस मैच में नहीं चला लेकिन उनकी टीम दिल्ली ने रेलवे के खिलाफ पारी और 19 रनों से जीत हासिल की। मैच के बाद विराट कोहली ने उन लोगों का दिन बना दिया जिन्होंने उनके लिए इस मैच के आयोजन में अहम रोल निभाया। मैच में विराट कोहली ने सिर्फ छह रन बनाए। हालांकि, दिल्ली ने 374 रन बनाए और रेलवे को हरा दिया। रेलवे ने मैच की पहली पारी खेली और 241 रन स्कोरबोर्ड पर टांगे। इसके बाद दिल्ली ने 374 रन बनाते हुए रेलवे पर 133 रनों की बढ़त ले ली। रेलवे की टीम इस बढ़त को ही उतार नहीं सकी और 114 रनों से पर ही ढेर हो गई।

कोहली ने जीता दिल

कोहली बेशक बल्ले से फेल रहे हों, लेकिन मैच के बाद उन्होंने कई लोगों के दिल जीत लिए। मैच के बाद कोहली ने अरुण जेटली स्टेडियम के ग्राउंड स्टाफ के साथ फोटो खिंचवाया। इनमें वो लोग शामिल थे जिन्होंने मैच के लिए मैदान तैयार किया था। कोहली ने धैर्यपूर्वक पूरे ग्राउंडस्टाफ का इंतजार किया और सभी के आने के बाद फोटो खिंचवाया।

# शरवरी वाघ ने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर बरपाया कहर, वन पीस ड्रेस पहन कैमरे के सामने दिए एक से एक पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर फैंस के बीच शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी–अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

एक्ट्रेस शरवरी वाघ इन दिनों अपनी एक्टिंग और फैशन सेंस को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। उनका कातिलाना अंदाज अक्सर इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।

शरवरी वाघ की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्राउन कलर की बेहद ही स्टाइलिश ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढक़र एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

बालों को मेसी लुक देकर, लाइट मेकअप और न्यूड ब्राउन शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे से सामने प्यारी सी स्माइल देते हुए

## एसडीएम की तैनाती न होने पर यूकेडी करेगी आंदोलन

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर में उपजिलाधिकारी के स्थानांतरण होने के एक महीने से अधिक समय बाद भी नये एसडीएम की तैनाती न होने पर उत्तराखंड क्रांति दल कीर्तिनगर ने गहरा रोष व्यक्त किया है। मामले को लेकर उक्रांद के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को तहसीलदार के माध्यम से जिलाधिकारी टिहरी को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में पूर्व ब्लाक प्रमुख कीर्तिनगर विजयंत निजवाला, चिरंजीव पुंडीर, चंद्रमोहन चौहान ने कहा कि बीते 9 दिसंबर को तहसील कीर्तिनगर से उपजिलाधिकारी सोनिया पंत का स्थानांतरण हो गया था, लेकिन तब से लेकर अभी तक यहां स्थाई रूप से एसडीएम की तैनाती नहीं हो पाई है।

कहा कि तहसील कीर्तिनगर में एसडीएम न होने के कारण प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट वाद कार्यों का समय से निस्तारण नहीं हो पा रहा है। आमजन को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि यदि 15 दिनों के भीतर एसडीएम की तैनाती नहीं होती है तो यूकेडी आंदोलन के लिए बाध्य होगी। मौके पर अजय सिंह, सत्येंद्र भट्ट, रवि दत, जसपाल नेगी, कलम सिंह, गिरीश डिमरी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

## तीन को यूसीसी पर होगी कार्यशाला

चमोली : 03 फरवरी को जिला सभागार में यूसीसी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए जिलाधिकारी कार्यालय के प्रभारी अधिकारी मदन सनवाल ने बताया कि 03 फरवरी को साढ़े बारह बजे जिला सभागार में समान नागरिक संहिता को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने सभी उपजिलाधिकारियों एवं उनके अधीनस्थ कार्मिकों, ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों तथा निकायों के अधिशासी अधिकारियों को कार्यशाला में प्रतिभाग करने के निर्देश दिए गए हैं।

(एजेंसी)

## सिद्धपीठ देवराड़ा मंदिर को नंदादेवी राजजात पड़ाव से जोड़ा जाएं

चमोली : वर्ष 2026 में आयोजित होने वाली नन्दादेवी राजजात के पड़ाव मार्ग के मानचित्र में सिद्ध पीठ देवराड़ा मंदिर को जोड़ने की मांग की गई है। नन्दादेवी राज राजेश्वरी सिद्ध पीठ देवराड़ा थराली के अध्यक्ष भुवन चन्द्र हटवाल ने जिलाधिकारी चमोली को ज्ञापन भेजा है। हटवाल ने कहा कि राज राजेश्वरीनन्दादेवी बधाण की डोली मां नन्दा की लोकजात की वापसी के समय होमकुंड से वापसी के बाद सिद्ध पीठ देवराड़ा मंदिर में विराजमान होती है। यह स्थान मां नन्दादेवी राज राजेश्वरी का पवित्र और सिद्ध पीठ है।

इस सिद्ध पीठ को नन्दादेवी राजजात 2026 के पड़ाव स्थल और मानचित्र से जोड़ा जाय। यह मांग जनता की आस्था और भावना से भी जुड़ी है।

(एजेंसी)

## एक नजर

### सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात नियमों का करें पालन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आमजन व वाहन चालकों को यातायात के प्रति जागरूक करने के लिए रिखणीखाल पुलिस की ओर से अभियान चलाया गया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों को कार्रवाई की भी चेतावनी दी गई। थानाध्यक्ष रिखणीखाल संतोष पैथवाल के नेतृत्व में स्थानीय बस व जीप स्टैंड में जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस ने चालक व परिचालकों को यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी। कहा कि यातायात नियमों की अनदेखी के कारण ही पहाड़ों में लगातार सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही है। अपर उप निरीक्षक संजय असवाल ने चालक-परिचालकों को उत्तराखंड ट्रैफिक आई एप, संशोधित मोटर वाहन अधिनियम, ई-चालान सिस्टम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही चालक-परिचालकों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलवाई। पुलिस ने कहा कि शराब के नशे में वाहन न चलाएं। नियमों के उल्लंघन से हम स्वयं के साथ ही दूसरों के लिए भी खतरा बन जाते हैं। इस दौरान चखुलियाखाल, ढाबखाल व मेदनी तिराहे में भी अभियान चलाया गया। साथ ही आसपास के क्षेत्रों में पंपलेट भी चस्पा किए गए। इस मौके पर चालक पूरण सिंह, ख्यात सिंह भंडारी, नरेंद्र सिंह, प्रभाकर, पंकज, संजय असवाल, सुरजीत, भीष्म देव, अंशुल, हरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

### ग्रामीण कैरम प्रतियोगिता 16 फरवरी से

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कफोलस्यूं विकास समिति के तत्वावधान में आगामी 16 फरवरी से कैरम प्रतियोगिता शुरू होगी। आयोजन समिति ने प्रतियोगिता की तैयारियां शुरू कर दी है। प्रतियोगिता के संयोजक हेमंत मोहन बिष्ट ने बताया कि प्रतियोगिता अगरोड़ा में 16 फरवरी से ग्रामीण कैरम प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रतियोगिता में विजेता टीम को तीन हजार, उप विजेता टीम को एक हजार की राशि ईनाम में दी जाएगी। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए टीमों को 15 फरवरी तक पंजीकरण करना होगा।

### पुलिस ने आठ वाहन सीज कर डीएल किये निरस्त

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी पुलिस यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्यवाही कर रही है। पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले आठ चालकों के वाहनों को सीज कर दिया है, जबकि चालकों के डीएल भी निरस्त कर दिये है। एसएसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह के निर्देशों पर थानों ने शराब पीकर वाहन चलाने, ओवर लोडिंग व रैश ड्राइविंग करने वालों वालों के खिलाफ अभियान चलाते हुए यह कार्रवाई की है। एसएसपी ने बताया कि सभी थानों में चेकिंग अभियान को चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने पर कोटद्वार पुलिस ने 6, लैंसडौन और पौड़ी ने एक-एक वाहनों को मौके पर सीज कर दिया। जबकि एमवी एक्ट में कार्रवाई करते हुए इनके डीएल भी निरस्त कर दिए है। कोटद्वार पुलिस ने इसके साथ ही ओवर स्पीड व ओवर लोडिंग करने वाले 6 वाहनों के चालन किए।

### सात को पुनः न्यायालय में प्रस्तुत होगी पुलकित की पत्नी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में आरोपी पुलकित आर्य की पत्नी से अभियोजन पक्ष की ओर से सवाल-जवाब किए गए। समय पूर्ण हो जाने के कारण अदालत ने गवाह को सात फरवरी को पुनः न्यायालय में प्रस्तुत होने के निर्देश दिए हैं। बताते चलें कि प्रदेश के बहुचर्चित वनंतरा प्रकरण में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में सुनवाई चल रही है। मामले में तीन जनवरी से बचाव पक्ष की ओर से गवाह पेश किए जा रहे हैं। इस क्रम में 17 जनवरी को बचाव पक्ष की ओर से आरोपित पुलकित आर्य की पत्नी को बतौर गवाह न्यायालय में पेश किया गया। बचाव पक्ष की ओर से गवाह से कई सवाल किए गए। गवाह ने मामले में उनके पति सहित अन्य को गलत तरीके से फंसाने की बात कही। बचाव पक्ष के सवाल अधिक होने के कारण अभियोजन पक्ष को जिरह का मौका नही मिल पाया। जिस पर न्यायालय ने 31 जनवरी को गवाह को पुनः न्यायालय में प्रस्तुत होने के निर्देश दिए थे। इस क्रम में गवाह पुनः न्यायालय में प्रस्तुत हुई, जहां अभियोजन पक्ष ने उनसे सवाल-जवाब किए। समय की कमी के कारण जिरह पूर्ण नही हो पाई, जिसके चलते अदालत ने सात फरवरी को पुनः गवाह को न्यायालय में प्रस्तुत होने को कहा है।

### कुलानीखाल के विद्यार्थियों ने पास की छात्रवृत्ति परीक्षा

कोटद्वार : प्रखंड रिणीखाल के अंतर्गत राजकीय इंटर कालेज कुलानीखाल के विद्यार्थियों ने एनएमएमएस व डा. शिवानंद नौटियाल छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण की है। विद्यालय के छात्र साहिल सिंह, श्रेया का चयन डा. शिवानंद नौटियाल और आयुष, मंजूली, रोहित व पल्लवी का चयन एनएमएमएस छात्रवृत्ति के लिए हुआ है। वहीं, हाईस्कूल कोटडीसैंण के छात्र गौरव सिंह, इंटर कालेज डाबरी के मुदित का चयन भी छात्रवृत्ति के लिए हुआ है। विद्यालयों के शिक्षक वंदना राय, अवदेश नेगी, धीरेंद्र खंतवाल, विनोद डोबरियाल ने छात्रों की सफलता पर खुशी व्यक्त की है।

# मार्च पास्ट के साथ कण्वाश्रम महोत्सव का हुआ शुभारंभ

कोटद्वार में मार्च पास्ट को सलामी देते नवनिर्वाचित महापौर शैलेंद्र सिंह रावत

मार्च पास्ट के दौरान छोलिया नृत्य करते कलाकार

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : स्कूली बच्चों के मार्चपास्ट के साथ कण्वाश्रम में होने वाले महोत्सव का शुभारंभ हो गया है। मार्च पास्ट में 11 विद्यालयों के पांच सौ से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान म्यूजिक चेयर प्रतियोगिता में वंदन कुकरेती ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

शनिवार को राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार से मार्च पास्ट निकाला गया। जिसमें क्षेत्र के 11 विद्यालयों के पांच सौ विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। झंडाचौक के समीप नवनिर्वाचित महापौर शैलेंद्र सिंह रावत व पार्षदों ने मार्चपास्ट को सलामी दी। शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि विद्यार्थियों को क्षेत्र में होने वाली प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना चाहिए। इससे उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। मार्च पास्ट नजीबाबाद रोड, झंडाचौक होते हुए मालवीय उद्यान के समीप संपन्न हुआ। मार्च पास्ट में छोलिया नृत्य काफी आकर्षण का केंद्र बना रहा। इसके उपरांत कण्वाश्रम में म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता का आयाजन किया गया। जिसमें वंदना कुकरेती प्रथम, कमलेश्वरी देवी द्वितीय एवं पूनम रावत तृतीय स्थान पर रही। बोरी दौड़ में रीना जखमोला प्रथम, आस्था द्वितीय एवं मीनाक्षी देवी तृतीय रही। सुई धागा दौड़ में क्रमशः शशि, अंजली व शोभा भण्डारी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे। इस मौके पर मंजुल डबराल, राजगौरव नौटियाल, मोहित कंडवाल, अमित नेगी, रजनीश बेबनी आदि मौजूद रहे।

# शारदा कॉरिडोर के कार्यों में तेजी लाएं : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली स्थित उत्तराखण्ड सदन से शारदा कॉरिडोर परियोजना संबंध में बैठक लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि शारदा कॉरिडोर के कार्यों में तेजी लाई जाए। इस परियोजना के लिए जल्द ही भूमि का ज्वाइंट सर्वे किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शारदा कॉरिडोर क्षेत्र में भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र की स्टडी कर उनके सुरक्षात्मक उपायों पर कार्य किए जाएं। इस परियोजना के तहत धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शारदा नदी के किनारे रिवर फ्रंट का विकास किया जायेगा। जिसमें नदी किनारे घाटों का सौन्दर्यीकरण, पर्यटकों और श्रद्धालुओं के अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शारदा और गंगा कोरिडोर का मुख्य उद्देश्य राज्य में धार्मिक पर्यटन को और बढ़ावा देने के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना तथा श्रद्धालुओं को सुविधा देना है। उन्होंने कहा कि दोनों परियोजनाओं में अलग-अलग डिजाइन पर कार्य किये जायेंगे। शारदा कोरिडोर के तहत बुनियादी ढ़ांचे, पर्यटन और लोगों की आर्थिकी को बढ़ावा देने से संबधित अनेक कार्य किये जायेंगे। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम, स्थानिक आयुक्त अजय मिश्रा एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

# धूमधाम से मनाया बसंत पंचमी महोत्सव

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते शिक्षक व अन्य

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल पदमपुर देवी रोड में बसंत पंचमी महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय की उप प्रधानाचार्य तनुका राय ने विद्यार्थियों को बसंत पंचमी के महत्व के बारे में बताया। कहा कि बसंत पंचमी उत्सव लोगों को मौसम की सकारात्मक ऊर्जा को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। बसंत पंचती अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। यह पुनर्जीवन और रचनात्मकता की भावना को बढ़ावा देता है। इस त्योहार में पीले रंग की अहम भूमिका होती है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। साथ ही बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया गया।

# अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रजेंटेशन के लिए 23 प्राध्यापक हुए सम्मानित

सम्मेलन में सम्मानित होने वाले शिक्षक

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) कॉलेज कोटद्वार की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के अंतिम दिन, देश विदेश के करीब 93 शोधकर्ताओं ने अपने पेपर प्रस्तुत किए। इस अवसर पर पेपर प्रजेंटेशन में प्रतिभाग करने के लिए आईएचएमएस के 23 प्राध्यापकों को सम्मानित किया गया। बीईएल रोड बलभद्रपुर स्थित संस्थान परिसर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के अंतिम दिवस समारोह का राजकीय महाविद्यालय पैठाणी के प्राचार्य प्रोफेसर वीके अग्रवाल ने शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आईएचएमएस कालेज शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रहा है। कहा कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए शोध तारीफ के काबिल हैं। इस प्रकार के प्रयास से शिक्षकों को नई दिशा मिलती है, जो कि शिक्षा जगत और समाज के लिए मील का पत्थर साबित होते हैं। इस अवसर पर संस्थान के एमडी बीएस नेगी, ईडी अजय राज नेगी, डायरेक्टर एडमिन ले. कर्नल बीएस गुसाईं (सेनि.), डायरेक्टर एकेडमिक डॉ. अश्वनी शर्मा, पीआरओ नरेश थपलियाल सहित सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

## आईएचएमएस कालेज में आयोजित किया गया दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

### यह प्राध्यापक हुए सम्मानित

दो दिवसीय सम्मेलन में पेपर प्रजेंटेशन के लिए आईएचएमएस के प्राध्यापक पंकज कुकरेती, सपना रौथाण नेगी, सुरेंद्र सिंह जगवाण, नवीन किशोर, प्रदीप भट्ट, ममता, सुबोध केष्टवाल, गुरदीप सिंह, अनुज नेगी, अनिल यादव, अजय आचार्य, सुप्रिया रतूड़ी, अमन रावत, आंचल शर्मा, अंकित कुकरेती, वंदना सैनी, वंदना नेगी, अनुराग सेमवाल, शगुन गहलौत, संदीप कुमार, नैनिका तिवारी, प्रवीन सिंह बिष्ट और राहुल गुसाईं को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया।

# बैंक ने 17 करोड़ से अधिक का बांटा ऋण

दुर्गापुरी में ग्रामीण बैंक की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उपभोक्ताओं को ऋण से संबंधित चेक देते बैंक अधिकारी

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** उत्तराखंड ग्रामीण बैंक की ओर से 132 लाभार्थियों को 17 करोड़ से अधिक का ऋण दिया गया। इस दौरान उपभोक्ताओं से बैंक की ओर से चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उठाने की भी अपील की गई। कहा कि उपभोक्ताओं को बेहतर मुनाफा देने के लिए बैंक कई योजनाएं चला रहा है। दुर्गापुरी स्थित एक बारातघर में ऋण मेले का आयोजन किया गया। कोटद्वार क्षेत्र में संचालित हो रही बैंक की सात शाखाओं के माध्यम से आवेदकों को ऋण दिया गया। उत्तराखंड ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष हरिहर पटनायक ने उपभोक्ताओं को बैंक की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पौड़ी क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रवीण गोयल ने कहा कि बैंक उपभोक्ताओं के हित में कई योजनाएं चला रहा है, इससे उपभोक्ता पैसों की बचत के साथ ही बेहतर मुनाफा भी ले सकते हैं। इस मौके पर उत्तराखंड ग्रामीण बैंक के पौड़ी क्षेत्रीय कार्यालय के ऋण प्रभारी अधिकारी जितेंद्र सिंह असवाल, शाखा प्रबंधक सिंधुजा सिंह, नीरज कुमार, जयेंद्र सिंह नाकोटी, मोहम्मद इब्राहिम, प्रेमंजली, मुकुल मिश्रा, शैलेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

### मुस्याखांद की टीम रही प्रथम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सतपुली स्थित आदर्श इंटर कॉलेज में आरएएस के तहत गणित विज्ञान क्विज व विज्ञान ड्रामा एवं मॉडल प्रतयोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राजकीय उच्च प्रथमिक विद्यालय मुस्याखांद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार व समग्र शिक्षा अभियान के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अंतर्गत गणित विज्ञान क्विज, विज्ञान ड्रामा एवं मॉडल संयोजन (प्रारंभिक एवं माध्यमिक) जिला स्तरीय प्रतियोगिता हुई। इन प्रतियोगिताओं में प्रारंभिक एवं माध्यमिक 15 ब्लॉकों की टीमों ने प्रतिभाग किया। गणित विज्ञान क्विज प्रारम्भिक में विकास क्षेत्र नैनीडांडा से राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मुस्याखांद के छात्र अक्षित रावत, अंशु रावत, पीयूष कंडारी प्रथम स्थान पर रहे। प्रधानाध्यापक गबर सिंह बिष्ट ने बताया कि गत वर्ष उनकी स्कूल की टीम चैंपियन रही। बच्चों ने डा. शिवानंद नौटियाल छात्रवृत्ति व श्री देव सुमन छात्रवृत्ति में भी सफलता प्राप्त की। बच्चों की बेहतर सफलता के लिए प्रधानाचार्य को वर्ष 2019 में राज्यपाल पुरस्कार व 2021 में राज्य के सर्वोच्च शैलेश मटियाली शैक्षिक उत्कृष्ट पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

### देवेंद्र मिस्टर व प्रियांशी बनीं मिस एनपीएस

आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : पदमपुर मोटाढांक स्थित नवयुग पब्लिक स्कूल में 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान देवेंद्र को मिस्टर व प्रियांशी को मिस एनपीएस चुना गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य नीलम नेगी ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि विद्यार्थियों को लक्ष्य तय कर आगे बढ़ना चाहिए। विद्यालय के संस्थापक हुकुम सिंह नेगी ने विद्यार्थियों को प्रतिदिन कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान देवेंद्र को मिस्टर व प्रियांशी को मिस एनपीएस चुना गया। साथ ही दिव्यांशु को मिस्टर स्पार्क व सिमरन को मिस स्पार्क चुना गया। विद्यार्थियों ने गढ़वाली, कुमाऊंनी व हिंदी गीतों पर प्रस्तुति देकर दर्शकों को भी मंत्रमुग्ध कर दिया था।

### छात्र-छात्राओं की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

**जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी :** गुरु राम राय पब्लिक स्कूल पौड़ी का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देकर समा बांध दिया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति और विभिन्न प्रांतों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोहा। इस मौके पर स्कूल की विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

शनिवार को प्रेक्षागृह पौड़ी में एसजीआरआर स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व पालिकाध्यक्ष यशपाल बेनाम ने दीप प्रज्जवलित कर किया। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्रों को सभी गतिविधियों में आगे बढ़ाना चाहिए। कहा कि शिक्षा के साथ ही खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने से प्रतिभागियों को एक नया मंच और अवसर मिलता है। कहा कि छात्रों को परिश्रमी होना चाहिए। वाषिकोत्सव में पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण पर आधरित कार्यक्रमों के साथ ही गढ़वाली, पंजाबी, राजस्थानी और हरियाणी गीतों और हिन्दी गीतों ने कार्यक्रम में समां बांधा। इस अवसर पर शिक्षा और सांस्कृतिक सहित विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को अतिथियों ने सम्मानित भी किया।

### पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड खिर्सू में पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। राजकीय बालिका इंटर कालेज श्रीनगर में आयोजित प्रशिक्षण में 21 माध्यमिक विद्यालयों के 42 प्रवक्ता एवं सहायक अध्यापकों ने प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया। इस दौरान एमटी अमर सिंह नेगी, आशा रावत, अर्चना और डॉ. अतुल उनियाल ने शिक्षकों को राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में यौन और प्रजनन स्वास्थ्य, पोषण, चोटें और हिंसा (लिंग आधारित हिंसा), गैर-संचारी रोग, मानसिक स्वास्थ्य और मादक द्रव्यों के सेवन आदि के बारे में जानकारी दी गई। बतौर मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी अश्वनी रावत ने कहा कि राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरों के स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़े सूचित फैसले लेने में मदद करना, किशोरों में पोषण,, किशोरों में मादक पदार्थों के सेवन और लिंग आधारित हिंसा को रोकना, किशोरों में भागीदारी और नेतृत्व, समता और समावेशन और लैंगिक समानता को बढ़ाना है।

# आपदा प्रभावित 17 परिवारों के विस्थापन हेतु 72.25 लाख स्वीकृत

जिलाधिकारी संदीप तिवारी बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

**जयन्त प्रतिनिधि।**

चमोली : जनपद में आपदा प्रभावित परिवारों के विस्थापन एवं पुनर्वास को लेकर शनिवार को जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की बैठक हुई। जिसमें जनपद के सरपाणी, लिगंडी और थराली नगर पंचायत के अंतर्गत आपदा प्रभावित 17 परिवारों के विस्थापन एवं पुनर्वास हेतु 72.25 लाख धनराशि का प्रस्ताव स्वीकृति के लिए शासन को प्रेषित करने की सहमति प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने प्रभावित परिवारों के पुनर्वास प्रस्ताव को शीघ्र शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित एसडीएम को निर्देशित किया कि प्रभावित परिवार के पुनर्वास वाले स्थानों पर मूलभूत सुविधाएं भी सुनिश्चित की जाए।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी ने बताया कि आपदा प्रभावित 17 परिवारों में तहसील नंदानगर के अंतर्गत सरपाणी गांव के 14 परिवार, तहसील थराली में लिगंडी गांव के 02 और नगर पंचायत थराली के वार्ड-3 से एक परिवार शामिल है। इन सभी प्रभावित परिवारों के विस्थापन हेतु उनकी निजी नाप भूमि पर विस्थापन कराया जा रहा है। विस्थापन के लिए निजी नाप भूमि का भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया गया है।

आपदा प्रभावित सरपाणी गांव के 14 परिवारों के विस्थापन एवं पुनर्वास हेतु 59.50 लाख, लिगंडी गांव के 02 परिवारों के विस्थापन के लिए 8.50 लाख और नगर पंचायत थराली के एक परिवार के विस्थापन के लिए 4.25 लाख का प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। शासन से धनराशि अवमुक्त होने पर प्रभावित परिवारों का विस्थापन किया जाएगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एनके जोशी सहित वर्चुअल माध्यम से एसडीएम और तहसीलदार मौजूद थे।

# फरवरी को सुशासन माह के रूप में मनाया जायेगा : डीएम

डीएम डॉ. आशीष चौहान बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

**जयन्त प्रतिनिधि।**

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. अशीष चौहान ने जिला कार्यालय से वी.सी के माध्यम से जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेते हुए कहा कि फरवरी माह को सुशासन माह के रुप में मनाया जायेगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि फरवरी के पूरे महीने ग्राउण्ड स्तर पर सरकारी मशीनरी से युद्ध स्तर पर कार्य करवाते हुए एक उदाहरण प्रस्तुत करें। कार्यों की दैनिक रुप से मॉनिटरिंग के लिए डीएम ने मुख्य विकास अधिकारी को विकास भवन परिसर में कंट्रोल रुम स्थापित करने के निर्देश दिये हैं।

शनिवार को आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत जारी रोस्टर के अनुसार प्रत्येक अधिकारी गांवों में रात्रि चौपाल लगाकर लोगों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर ही समाधान करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अपने विभाग स्तर पर कार्यों की समीक्षा करते हुए लापरवाह फील्ड कर्मचारियों के प्रति आवश्यक कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को फरवरी माह में जनपद के सभी एनीमिया ग्रस्त गर्भवती महिलाओं, स्कूली छात्राओं व अन्य प्रभावितों की स्क्रीनिंग करते हुए उपचार करने को कहा। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये कि इस माह एसीएमसओ स्तर के अधिकारी सभी सीएचसी, पीएचसी का निरीक्षण करते हुए चिकित्सालयों में सभी स्वास्थ्य सम्बंधी सभी सुविधाऐं दुरुस्थ करें। डीएम ने उप जिलाधिकारियों को पटवारी चौकियों का निरीक्षण, पीपीई एक्ट के मामलों व विरासतन खतौनियों में ऑटोमेटिक नाम दर्ज करवाने सम्बंधी प्रकरणों को युद्धस्तर पर निस्तारित करनें के निर्देश हैं। बैठक में अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल व उपजिलाधिकारी और विभागीय अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित थे।

### सुशासन माह में जनपद की सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करें

जिलाधिकारी ने लो.नि.वि. के अधिकारियों को सुशासन माह में जनपद की सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के साथ-साथ फॉरेस्ट लैण्ड ट्रांसफर के सभी मामलों का युद्ध स्तर पर निस्तारण करने को कहा। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिये कि जनपद क्षेत्रांर्तत सभी छात्रावासों, वृद्ध आश्रमों का निरीक्षण करते हुए वस्तुस्थिति की रिपोर्ट दैनिक रुप से कंट्रोल रुम को उपलब्ध कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुशासन माह में फील्ड की मशीनरी युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए दिखाई देनी चाहिए।

### जंगली जीवों से सुरक्षा को लेकर समिति का होगा गठन

जंगली जीवों से सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों को तहसील स्तर पर एक समिति का गठन करने के निर्देश दिये हैं। गठित समिति तेंदुआ, भालू की गतिविधियों के आधार पर सूचनाओं का उच्च स्तर पर आदान-प्रदान करेगी ताकि, सम्भावित हमलों को टाला जा सके। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि तेंदुए के व्यवहार व उससे सुरक्षा को लेकर अब तक कितने जनसामान्य, स्कूली छात्रों को जागरुकता/शिक्षित किया जा चुका है के संबंध में आंकड़े प्रस्तुत करें। साथ ही इस पूरे माह में शत प्रतिशत स्कूली छात्रों को तेंदुए के व्यवहार व उससे सुरक्षा को लेकर जागरूक करें।


## सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने दिनांक 05 सितम्बर 2023 को दैनिक जागरण में अपने पुत्र अंशुल देवरानी पुत्र महेश देवरानी के सम्बन्ध में सम्बन्ध विच्छेद हेतु विज्ञापन दिया था जिसमें मैंने अपने पुत्र को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल किया था तथा मेरा पुत्र मेरे कहने सुनने में नहीं है। वर्तमान में मेरा पुत्र मेरे कहने सुनने में है तथा मेरे सभी नियमों व शर्तों का पालन कर रहा है। इसलिए मैं अपने पुत्र को पुनः अपनी चल-अचल सम्पत्ति का वारिस घोषित करता हूं तथा मेरे पुत्र अंशुल देवरानी द्वारा किये गये समस्त कार्य मुझे मंजूर होगें और भविष्य में भी रहेगें।

**महेश देवरानी पुत्र स्व0 सच्चिदानन्द देवरानी निवासी ग्राम लालपुर, घराट रोड़, पोस्ट पदमपुर सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**

(0720/21)



## जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

**नागेन्द्र उनियाल** द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

**नागेन्द्र उनियाल**

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382-222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com